



13

स्वच्छता

स्वच्छता और स्वास्थ्य का घनिष्ठ संबंध है। स्वच्छता के अभाव में गन्दगी फैलती है। गन्दगी रोगों की जड़ है। यदि हम स्वच्छता सम्बन्धी सतर्कता रखें और उचित स्थान पर ही कूड़ा डालें तो, 'स्वच्च जगत, सुन्दर जगत' का निर्माण कर सकते हैं। साथ ही स्वस्थ भी रह सकते हैं।



एक दिन अजय ने मोहन को अपने जन्मदिन पर बुलाया । मोहन ने उसे उपहार में देने के लिए कहानियों की एक पुस्तक खरीदी । उसे रंगीन कागज़ में लपेटा और अजय के घर चल पड़ा । जैसे ही मोहन अजय की गली में पहुँचा, उसके ऊपर केले का एक छिलका आ गिरा।



छि: ! छि: ! कितनी बुरी आदत है सड़क पर छिलका फेंकना, मोहन ने मन में सोचा । उसने छिलका उठाया और इधर-उधर देखा । कुछ दूरी पर उसे एक कूड़ादान दिखाई दिया । उसने छिलका उसमें डाल दिया । बहुत-सा कूड़ा कूड़ेदान के बाहर फैला हुआ था । वहाँ मिक्खयाँ भिनक रही थीं और चारों ओर गंदगी फैली हुई थी।

कुछ और आगे बढ़ा तो मोहन को बड़ी बदबू आई। उसने देखा - नालियों में कूड़े के कारण पानी रुका हुआ है। उसी पानी से बदबू आ रही थी।

मोहन नाक पर रूमाल रखे अजय के घर पहुँचा। वहाँ अजय के और भी कई मित्र आए थे। अजय ने मोहन को अपनी माँ और पिताजी से मिलाया। अजय की दादी जो बीमार थीं, मोहन उनसे भी मिला। मेज पर खाने की चीजें रखी थीं, जिन पर बार-बार मिक्खयाँ आ जाती थीं। मोहन ने अजय से कहा, "अजय, तुम्हारे मोहल्ले में इतनी गंदगी क्यों है ? क्या नगरपालिका इसे साफ़ नहीं कराती ?"

अजय की माताजी ने कहा, "बेटा नगरपालिका की गाड़ी आया करती है। जगह-जगह कूड़ेदान भी हैं। पर कुछ लोग उनमें कूड़ा नहीं डालते। वे कूड़ा सड़क पर ही फेंक देते हैं इसीलिए सफ़ाई नहीं रहती।" दूसरे दिन पाठशाला में मोहन ने अपने अध्यापक को यह बात बताई। अध्यापक ने कहा, "तुम ठीक कहते हो, मोहन। गंदगी बहुत से रोगों की जड़ है। नगरपालिका का काम नगर को स्वच्छ रखना तो है, पर हमें भी नगरपालिका की सहायता करनी चाहिए। चलो, एक दिन हम सब अजय के मोहल्ले में चलें और स्वयं सफ़ाई का काम प्रारंभ करें।"



रविवार के दिन सभी अजय के मोहल्ले में गए । सबके हाथ में एक-एक टोकरी और झाड़ू थे । सड़क पर झाड़ू लगाकर उन्होंने कूड़ा इकट्ठा किया। नालियों की सफ़ाई की और पानी का रास्ता बनाया। उनमें मक्खी-मच्छर मारनेवाली दवा डाली। कूड़ेदान पर ढक्कन रखा। मोहल्ले में रहनेवाले सभी लोग बाहर निकल आए और उन्हें देखने लगे। बच्चों में बहुत उत्साह था, देखते ही देखते पूरा मोहल्ला स्वच्छ हो गया। अध्यापक ने लोगों को समझाया कि वे घर का कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें। वे घर के आसपास सफ़ाई रखें, क्योंकि गंदगी से रोग फैलते हैं।

उन्होंने कहा, "मेरी पाठशाला के बालक सप्ताह में एक बार यहाँ आया करेंगे। वे आपके मोहल्ले को साफ करेंगे। आप भी इस काम में इनकी सहायता करें।"

एक व्यक्ति ने आगे बढ़कर कहा, "नहीं, नहीं! इन बच्चों को आने की कोई आवश्यकता नहीं। हम लोग स्वयं ही अपने मोहल्ले को स्वच्छ खोंगे। अब आप इसे हमेशा साफ़-सुथरा पाएँगे।"

शब्दार्थ

स्वच्छता सफ़ाई, निर्मलता छिलका फल आदि का आवरण बदबू दुर्गंध, बुरी गंध उत्साह उमंग, जोश प्रथम पहला, कूड़ादान कचरा डालने का पात्र दोष अवगुण, अपराध उपहार भेट, नजराने की वस्तु सप्ताह सात दिनों का समूह मोहल्ला गली, शेरी (गुज.)



1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

- (1) आप अपनी पाठशाला में किन-किन चीज़ों की सफ़ाई करते हैं ?
- (2) गंदगी से हमें कौन-कौन सी बीमारियाँ होती हैं ?
- (3) सफ़ाई के लिए किन-किन चीजों का उपयोग किया जाता है ?
- (4) पाठशाला के अलावा आप और कौन-कौन-सी जगह सफ़ाई का काम करते हैं ?





1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

- (1) अजय के मोहल्ले में मोहन ने क्या देखा ?
- (2) मोहल्ले में गंदगी क्यों फैली हुई थी ?
- (3) अध्यापक बच्चों को अजय के मोहल्ले में क्यों ले गए ?
- (4) हम नगरपालिका की मदद कैसे कर सकते हैं ?
- (5) हमें अपना घर और मोहल्ला क्यों साफ़ रखना चाहिए ?

2. नीचे दिए गए विशेषणों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:

अच्छा, कोमल, लाल, सफेद

उदाहरण: सुंदर - बाग में सुंदर फूल खिले हैं।

3. (अ) अंगों को काम से मिलाइए:

कान से फिल्म देखते हैं।

आँख से गाना सुनते हैं।

नाक से गाना गाते हैं।

पैर से फूल सूँघते हैं।

हाथों से चलते हैं।

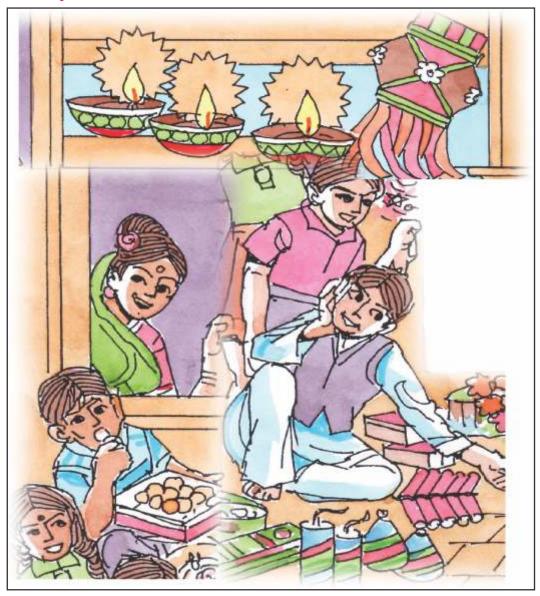
दाँतों से खाना चबाते हैं।

मुँह से बल्ला घुमाते हैं।

(ब) सही मिलान को वाक्य में लिखिए और क्रिया को रेखांकित कीजिए।

उदाहरण: 1. कान से गाना सुनते हैं।

4. नीचे दिए गए दृश्य का वर्णन लिखिए:



5. निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करके लिखिए:

- (1) मेरा गाँव (2) मेरी दिनचर्या
- 6. बनाइए / लगाइए:

अपने आस-पास के लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए अपने साथियों के साथ मिलकर पोस्टर बनाइए और सार्वजनिक स्थानों पर लगाइए।

7. पता कीजिए और लिखिए: स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या करना चाहिए, क्या नहीं।